भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2120

सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राष्ट्रीय पर्यटन नीति

†2120. श्री थरानिवेंथन एम.एस.:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय पर्यटन नीति (एनटीपी) को अंतिम रूप देकर कार्यान्वित कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो राष्ट्रीय पर्यटन नीति के प्रमुख उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है और वे किस प्रकार पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं;

(ग) राष्ट्रीय पर्यटन नीति के अंतर्गत विशेष रूप से पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील और विरासत संपन्न क्षेत्रों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार राष्ट्रीय पर्यटन नीति के कार्यान्वयन में, विशेषकर क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने और अवसंरचना में सुधार करने में राज्य सरकारों और स्थानीय हितधारकों की भागीदारी किस प्रकार सुनिश्चित कर रही है;

(ङ) क्या सरकार ने विशेषकर महामारी के बाद पर्यटकों के आगमन और राजस्व सृजन पर राष्ट्रीय पर्यटन नीति के प्रभाव का आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) राष्ट्रीय पर्यटन नीति के अंतर्गत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार के पर्यटकों के लिए सुरक्षा, संरक्षा और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और उद्योग के हितधारकों से प्राप्त सुझावों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय पर्यटन नीति का एक मसौदा तैयार किया है। मसौदा निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित है:

(i) यात्रा, ठहरने की अवधि और आगंतुक संबंधी व्यय में वृद्धि करके और भारत को संपूर्ण वर्ष के पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करके भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना।

(ii) कुशल कार्यबल आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर पैदा करना।

(iii) पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करना।

(iv) देश की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संवर्धन।

(v) देश भर में पर्यटन का सतत, जिम्मेदार और समावेशी विकास सुनिश्चित करना।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है। केंद्रीय वित्तीय सहायता, दिशानिर्देशों के अनुसार और राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर दी जा रही है।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने इन क्षेत्रों के ऊपर केंद्रित प्रचार और विकास के लिए सतत पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, ग्रामीण होमस्टे, एमआईसीई, साहसिक पर्यटन और इको-पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतियां तैयार की हैं।

*****